

Mynotesadda.com

- अनुच्छेद 170 के उस प्रावधान का अपवाद है, जिसमें कहा गया है कि एक राज्य के विधानसभा के गठन में साठ से कम सदस्य नहीं होंगे— **सिक्किम**
- मध्य प्रदेश में अब तक विधान परिषद नहीं हैं, यद्यपि संविधान (सप्तम संशोधन) अधिनियम, 1956 में इसके लिए उपबंध हैं।
- उत्तर प्रदेश की विधान परिषद में राज्यपाल द्वारा मनोनीत किया जाता है— **कुल सदस्यों का 1/6**
- राज्य विधान परिषद का प्रावधान भारतीय संविधान में रखा गया है— **अनुच्छेद 171 के अन्तर्गत**
- जम्मू और कश्मीर राज्य के कार्यकारी अध्यक्ष का पद नाम सन् 1965 में 'सदर-ए-रियासत' से 'राज्यपाल' में बदल दिया गया— **जम्मू और कश्मीर के राज्य के संविधान में छठे संशोधन द्वारा।**
- भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं— **सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश)**
- जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री की कार्यवधि होती है— **छह वर्ष**
- मुख्यमंत्री के दायित्वों को परिभाषित करता है— **अनुच्छेद 167**
- वर्ष 1956 में पुनर्गठित 05 राज्यों में द्विसदनीय विधायिकाएँ थीं।
- गोवा भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ "सामान्य (कॉमन) सिविल कोड" लागू है।
- यदि किसी राज्य की विधानसभा का अध्यक्ष (स्पीकर) पद त्यागना चाहे, तो उसे अपना त्यागपत्र देना चाहिए— **उपाध्यक्ष को।**
- विधानसभा के सदस्य के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष विहित की गई है।
- राज्य के विधानमण्डल के किसी सदस्य के निरर्हता से सम्बन्धित किसी प्रश्न का विनिश्चय करने हेतु अन्तिम सत्ता है— **राज्यपाल**
- मेघालय, मणिपुर व त्रिपुरा उच्च न्यायालय मार्च, 2013 में स्थापित किए गए।
- अण्डमान एवं निकोबार द्वीप पर **कलकत्ता उच्च न्यायालय** का क्षेत्राधिकार है।
- इलाहाबाद
- भारत में उच्च न्यायालयों की कुल संख्या 24 है।
- उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष है।
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को वेतन और भत्ते राज्य की समेकित निधि से दिये जाते हैं।
- **अनुच्छेद 355** — संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह वाह्य आक्रमण तथा आन्तरिक गड़बड़ी से प्रत्येक राज्य की रक्षा करे।
- भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियाँ सन्निहित है— **संसद में**
- केन्द्र-राज्य सम्बन्ध विधायी सम्बन्ध दिये गये हैं— **भाग—XI में**
- विधायी शक्तियों का केन्द्र तथा राज्यों के मध्य वितरण संविधान की अनुसूचियों में है— **सातवीं**
- केन्द्र-राज्य सम्बन्ध उल्लिखित है— **7वीं अनुसूची में**

Mynotesadda.com

- लोक सेवा आयोग के सदस्य को हटाया जा सकता है— अनुच्छेद 317 के अन्तर्गत।
- किसी राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यों को संघ लोक सेवा आयोग को सौंपा जा सकता है— भारत के राष्ट्रपति के अनुमोदन पर।
- दो अथवा दो से अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति करता है— भारत के राष्ट्रपति के द्वारा।
- राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की जाती है— राज्यपाल द्वारा
- मंडल आयोग रिपोर्ट प्रस्तुत की गई— 1980 में
- 1993 में राष्ट्रपति द्वारा मानवाधिकार संरक्षण अध्यादेश जारी किया गया था— अनुच्छेद 123
- भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को समाप्त करने की सिफारिश की थी— राजमन्नार आयोग ने
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी और संक्रमणकालीन उपबंध है।
- भारतीय संविधान में कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने का अभिप्राय है— कश्मीर का अलग संविधान है।
- संविधान के अनुच्छेद 371 के अन्तर्गत विशेष प्रावधान किये गए हैं— महाराष्ट्र तथा गुजरात के लिए
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 371-ख में विशेष उपबंध प्रावधानित हैं— असम के लिए
- भारत में एक ही संविधान प्रत्येक राज्य और केन्द्र के लिए है, केवल एक राज्य इसका अपवाद है। वह राज्य है— जम्मू-कश्मीर
- भारतीय संविधान में विभिन्न राज्यों से संबंधित विशिष्ट प्रावधान का उल्लेख है— अनुच्छेद 371 में
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 संबंधित है— जम्मू-कश्मीर राज्य से
- भारत के संविधान के वे अनुच्छेद जो जम्मू-कश्मीर राज्य में स्वयमेव लागू होते हैं, वे हैं— अनुच्छेद 1 एवं अनुच्छेद 370
- जम्मू एवं कश्मीर संविधान में छठें संविधान संशोधन अधिनियम, 1965 द्वारा सदर-ए-रियासत नाम बदलकर राज्यपाल तथा वजीर-ए-आजम का नाम बदलकर मुख्यमंत्री कर दिया गया।
- राष्ट्रपति का चुनाव संचालित किया जाता है— भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा
- भारत का संविधान अनुच्छेद 324 के अन्तर्गत निर्वाचन आयोग का प्रावधान करता है।
- भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- केन्द्र और राज्य की व्यवस्थापिकाओं के लिए मतदान की न्यूनतम उम्र की सीमा 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई— 61वें संशोधन (1989) द्वारा
- नवयुवकों द्वारा 18 वर्ष की आयु पर मताधिकार का पहली बार प्रयोग किया गया, इस आम चुनाव में — 1989 के

Mynotesadda.com

- भाषा के आधार पर राज्यों के गठन हेतु राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना 29 दिसम्बर, 1953 को की गयी थी।
- कावेरी जल विवाद के अन्तर्गत कर्नाटक, पाण्डिचेरी, केरल एवं तमिलनाडु राज्य हैं।
- उत्तराखण्ड राज्य की स्थापना वर्ष 2000 में हुई।
- छत्तीसगढ़ राज्य में रूप में 01 नवम्बर, 2000 को आया।
- सिक्किम को विधिवत् भारत संघ के एक पूर्ण राज्य के रूप में 36वें संविधान संशोधन द्वारा सम्मिलित किया गया।
- दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा 69वें संविधान संशोधन द्वारा दिया गया।
- भारत में 29 राज्य और 07 संघशासित प्रदेश हैं।
- राज्य पुनर्गठन आयोग ने 01 नवम्बर, 1956 को 14 राज्य एवं 06 संघ राज्य बनाए।
- लोकसभा में केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए 20 सीटें आरक्षित हैं।
- यदि भारतीय संविधान में एक नए राज्य का सृजन किया जाना है, तो संशोधन करना आवश्यक होगा प्रथम अनुसूची को।
- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित हैं—

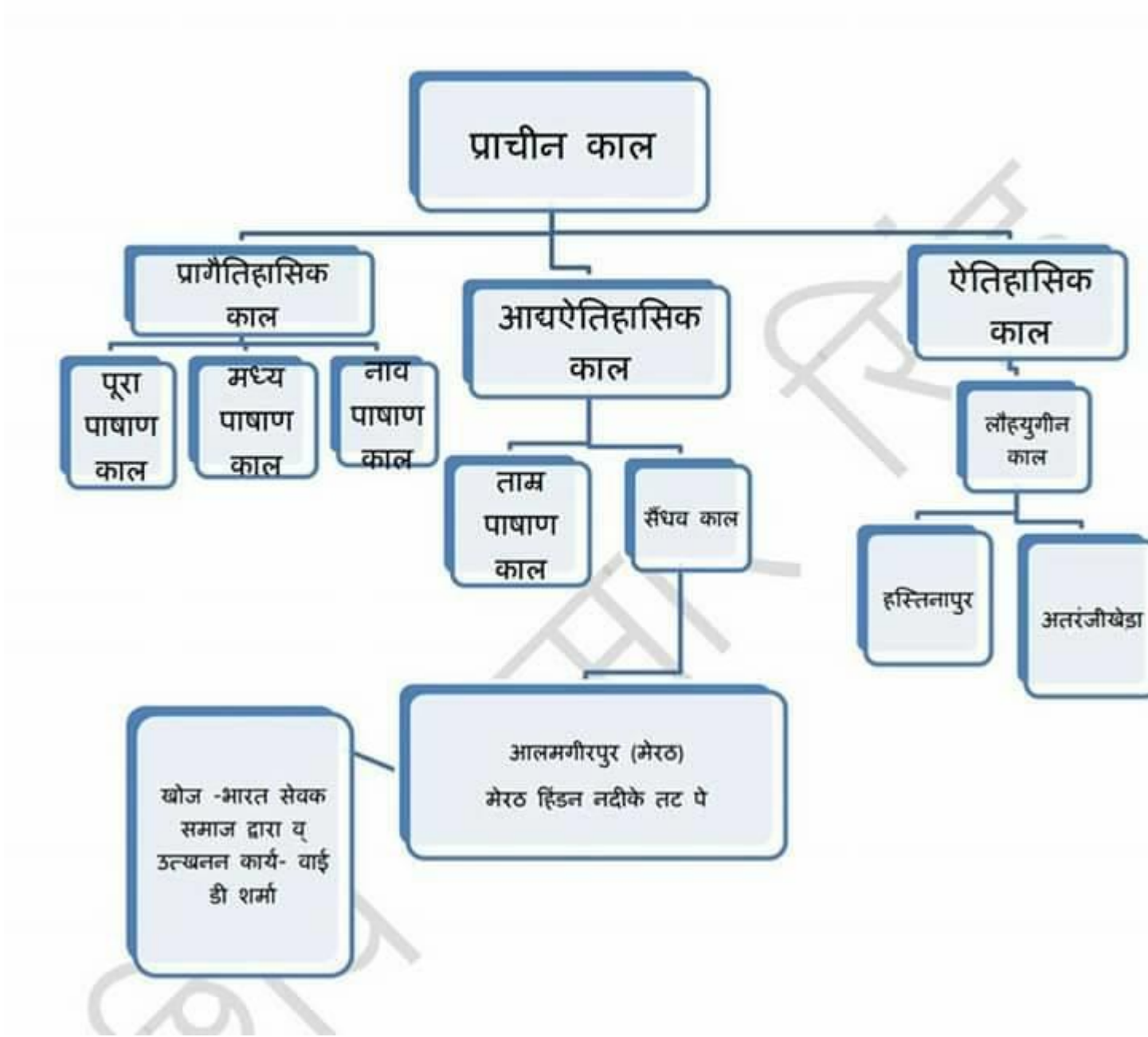
सूची-1 (राज्य)	सूची-2 (गठन का वर्ष)
आन्ध्र प्रदेश	1953
हरियाणा	1966
हिमाचल प्रदेश	1971
सिक्किम	1975
महाराष्ट्र	1960
राजस्थान	1956

- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित हैं—

सूची-1 (राज्य)	सूची-2 (स्थापना वर्ष)
नागालैण्ड	01 दिसम्बर, 1963
मेघालय	21 जनवरी, 1972
सिक्किम	16 मई, 1975
अरुणाचल प्रदेश	20 फरवरी, 1987

- नागालैण्ड, असम, मणिपुर, आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश तथा गोवा की प्रादेशिक माँगों को देखते हुए भारत के संविधान में अनुच्छेद 371A से लेकर अनुच्छेद 371 I तक अंतर्विष्ट किए गए।
- भारतीय संविधान में समता का अधिकार अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18 द्वारा प्रदान किया गया है।
- भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद 19 से अनुच्छेद 22 द्वारा प्रदान किया गया है।
- अनुच्छेद 13 – संवैधानिक प्रावधानों को संघीय संसद/राज्य विधान पालिकाओं द्वारा बनाए गए नियमों/कानूनों पर प्राथमिकता प्रदान करता है।

उत्तर प्रदेश विशेष –



Mynotesadda.com

- लोकसभा में मंत्रिपरिषद के विरुद्ध 'अविश्वास' का प्रस्ताव लाने हेतु न्यूनतम सदस्य संख्या है— 50
- 'जय जवान जय किसान' का नारा लाल बहादुर शास्त्री द्वारा दिया गया। लाल बहादुर शास्त्री स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे।
- संघीय मंत्रिमण्डल का पुनर्गठन गोपालस्वामी आयंगर रिपोर्ट पर आधारित था।
- **अनुच्छेद 257** — प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति का इस प्रकार प्रयोग किया जाएगा, जिससे संघ की कार्यपालिका शक्ति के प्रयोग में कोई अड़चन न हो या उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।
- 15 अगस्त, 1947 को केन्द्र में मंत्रालयों की संख्या 18 थी।
- 91वां संविधान संशोधन यह बताता है कि मंत्रिमण्डल में कुल मंत्रियों की संख्या, प्रधानमंत्री को सम्मिलित करते हुए लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- संविधान में मंत्रिमण्डल शब्द का एक ही बार प्रयोग हुआ है और वह **अनुच्छेद 352** में।
- भारत के प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह अपने कार्यकाल में संसद में कभी भी उपस्थित नहीं हुए।
- भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु देश से बाहर हुई।
- भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भीमराव अम्बेडकर प्रथम कानून मंत्री थे।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम वित्त मंत्री आर०के० पणमुखम चेट्टी थे। इनके द्वारा स्वतंत्रता भारत का प्रथम केन्द्रीय बजट 26 नवम्बर, 1947 को प्रस्तुत किया गया था। 1949 में उनके स्थान पर जॉन मथाई को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था।
- उत्तर प्रदेश का नेता नेहरू की कैबिनेट में पहले गृह मंत्री तथा बाद में रक्षा मंत्री बने — **कैलाश नाथ काटजू**
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद पर नियुक्ति का कार्यकाल 06 वर्ष का होता है।
- **अनुच्छेद 148** के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति होती है।
- भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- 1971 का संशोधन (महालेखा नियंत्रक के कर्तव्य, शक्तियों और सेवा स्थिति) अधिनियम लेखांकन और लेखा परीक्षण को पृथक करता है और सी०ए०जी० को लेखों की तैयारी के उत्तरदायित्व से मुक्ति देता है। यह संशोधन **1976 ई०** में किया गया।
- लोकसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष **मीरा कुमार** हैं।
- **जी०वी० मावलंकर** प्रथम स्पीकर थे, जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।
- लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष जी०वी० मावलंकर थे।
- **अनुच्छेद 100** — संविधान का यह अनुच्छेद उपबंधित करता है कि मत बराबर होने की दशा में लोकसभा के अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

Mynotesadda.com

- महिलाओं के पंचायतों में आरक्षण भारतीय संविधान में संशोधन करके दिया गया है, वह है— **1992 का 73वां संशोधन**
- 73वें संविधान संशोधन का अभिपालन करने वाला पहला राज्य है— **मध्य प्रदेश**
- भारतीय संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में पंचायतों के लिए कुल विषय निर्धारित किये गये हैं— **29**
- नगरपालिकाओं से सम्बन्धित है— **भाग IX A**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243(ZJ) के अनुसार सहकारी समिति के निदेशकों की अधिकतम संख्या हो सकती है— **21**
- मेयर का कार्यकाल होता है— **5 वर्ष**
- राज्य वित्त आयोग का गठन भारतीय संविधान के अन्तर्गत किया जाता है— **अनुच्छेद 243 (आई) के अनुसार**
- पंचायती राज व्यवस्था में न्याय पंचायतों को किसी को बन्दी बनाए जाने की सजा देने का अधिकार है— **बिहार में**
- भारत में पंचायती राज संस्थाओं की शक्तियों के अन्तर्गत नहीं आता है— **न्यायिक पुनर्वीक्षण**
- एक व्यक्ति पंचायत का चुनाव लड़ सकता है, यदि उसने पूर्ण कर ली है— **21 वर्ष की आयु**
- एक क्षेत्र पंचायत का क्षेत्र निर्धारित किया जाता है— **राज्य सरकार द्वारा**
- तीन सोपानों में पंचायते बनाने की परिकल्पना की गई है— **भाग 9(ix) में**
- पंचायती राज व्यवस्था अपनाई गई थी— **लोकतंत्र की शक्तियों के विकेन्द्रीकरण के लिए**
- किसी राज्य में नगरपालिका का सीमा क्षेत्र अधिसूचित करने के लिए सक्षम है— **संबंधित राज्य का राज्यपाल**
- नागालैण्ड में पंचायती राज संस्था नहीं है।
- यदि पंचायत भंग होती है, तो निर्वाचन होंगे— **6 माह के अन्दर**
- जिला आयोजन समिति में निर्वाचित व पदेन सदस्य होते हैं— **20 और 5**
- महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना में आयोजना बनाने, सम्पादन करने व क्रियान्वयन की जिम्मेदारी है— **ग्राम पंचायत की**
- 'महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम' के अन्तर्गत लाभ प्राप्त करने का पात्र है— **किसी भी परिवार के वयस्क सदस्य**
- पंचायती राज प्रणाली में पंचायत समिति गठित होती है— **खण्ड स्तर पर**
- पंचायत निर्वाचन हेतु राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया जाता है— **राज्य के राज्यपाल द्वारा**
- पंचायत समिति के सदस्य— **जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।**

Mynotesadda.com

- “संविधान सभा कांग्रेस थी और कांग्रेस भारत था।” किसने कहा था— ऑस्टिन ने
- भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज को सर्वप्रथम स्वीकार किया— 22 जुलाई, 1947 ई0 को
- संविधान निर्मात्री परिषद की ‘झण्डा समिति’ के अध्यक्ष डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद थे।
- भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को पूर्ण रूप से तैयार हुआ था।
- भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था।
- संविधान को 26 जनवरी के दिन लागू करने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि कांग्रेस ने इस तिथि को 1930 में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था।
- भारतीय संविधान को संविधानिक सभा द्वारा अपनाया गया था।
- भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत एवं अधिनियमित हुआ था।
- बी0आर0 अम्बेडकर का संविधान सभा में निर्वाचन बम्बई प्रेसीडेन्सी से हुआ था।
- ‘जन-गण-मन’ को राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया— 1950 को
- भारत शासन द्वारा राजकीय चिन्ह अंगीकृत किया गया था— 26 जनवरी, 1950 से
- संविधान सभा में वयस्क मताधिकार को 15 वर्ष के लिए स्थगित करने की बात की थी— मौलाना आजाद ने
- भारतीय संविधान में सन्निहित मूल अधिकारों की अवधारणा संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ग्रहण की गयी।
- भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों का विचार रूस (पूर्व सोवियत संघ) के संविधान से लिया गया।
- भारतीय संविधान में उद्देशिका का विचार यू0एस0ए0 के संविधान से लिया गया है।
- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में सर्वोच्च है— संविधान
- भारत में न्यायिक पुनरीक्षण की संकल्पना संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ली गई।
- भारत की संघात्मक व्यवस्था कनाडा से सम्बन्धित है।
- भारतीय संसदीय प्रणाली ब्रिटिश संसदीय प्रणाली से इस बात में भिन्न है कि भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन की प्रणाली है।
- न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था भारत और यू0एस0ए0 में है।
- भारत के संविधान में सम्मिलित समवर्ती सूची ऑस्ट्रेलिया की देन है।
- भारतीय संविधान में ‘राज्य के नीति निर्देशक तत्वों’ की संकल्पना आयरलैण्ड के संविधान पर आधारित है।
- भारत के संविधान में कुल 12 अनुसूचियाँ हैं।
- भारतीय संविधान को कुल 22 भागों में विभाजित किया गया है।
- भारतीय संविधान के भाग 2 में नागरिकता से सम्बन्धित प्रावधान है।
- संविधान के भाग IX में तीन सोपानों में पंचायतें बनाने की परिकल्पना की गई है।

Mynotesadda.com

- वे विषय जिन पर केन्द्र केन्द्र व राज्य सरकारें दोनो कानून बना सकती हैं, उल्लिखित है— **समवर्ती सूची में**
- अनुच्छेद-249 के खण्ड (1) के अन्तर्गत पारित प्रस्ताव प्रवृत्त नहीं रहेगा— **एक वर्ष से अधिक समय के लिए**
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 249 संबंधित है— **राज्य सूची के विषयों के संबंध में संसद की विधायी शक्तियों से**
- केन्द्र तथा राज्यों के मध्य शक्तियों के वितरण के लिए भारत का संविधान तीन सूचियों को प्रस्तुत करता है, शक्तियों के वितरण को विनियमित करते हैं— **अनुच्छेद 245 तथा 246**
- **अनुच्छेद 265** — विधि के प्राधिकारों के बिना न तो कोई कर लगाया जा सकता है और न ही एकत्रित किया जा सकता है।
- भारतीय संविधान अन्तर्राज्य परिषद के संबंध में प्रावधान करता है— **अनुच्छेद 263 के अनुसार**
- झारखण्ड क्षेत्र स्वायत्त परिषद का गठन हुआ— **8 अगस्त, 1995 को**
- राष्ट्रीय आपातकाल में लोकसभा की अवधि आपातकाल की समाप्ति तक बढ़ाई जा सकती है, लेकिन एक समय में केवल एक वर्ष के लिए ही बढ़ाई जा सकती है।
- राष्ट्रपति शासन अधिकतम 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है।
- भारत में वित्तीय आपातकाल की घोषणा आज तक कभी नहीं की गई है।
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 360** का उपयोग अभी तक नहीं किया गया है।
- बाह्य आक्रमण, राज्यों में संवैधानिक तंत्र की विफलता, आर्थिक संकट की परिस्थिति में राष्ट्रपति आपातकाल घोषित कर सकता है।
- अनुच्छेद 352 के अनुसार भारत के राष्ट्रपति द्वारा 'राष्ट्रीय आपातकाल' की घोषणा की जा सकती है।
- भारत में योजना आयोग के प्रथम अध्यक्ष **पण्डित जवाहर लाल नेहरू** थे।
- योजना आयोग का अन्त किया— **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने**
- योजना आयोग की स्थापना **15 मार्च, 1950** को हुई।
- **नीति आयोग** संविधानोत्तर संस्था है।
- नीति आयोग के विषय में निम्नलिखित कथन सही हैं—
 - ✓ इसका गठन योजना आयोग के स्थान पर किया गया है।
 - ✓ इसका गठन जनवरी, 2015 में किया गया था।
 - ✓ यह सहकारी संघवाद के सिद्धान्त पर आधारित है।
- 06 अगस्त, 1952 को भारत में राष्ट्रीय विकास परिषद गठित की गयी थी।
- भारत का प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद की अध्यक्षता करता है।
- 2011 में लोकायुक्त विधेयक पारित करने वाला प्रथम भारतीय राज्य **उत्तराखण्ड** है।
- संसद में पहला लोकमान्य विधेयक पारित किया गया था— **1968 में**

Mynotesadda.com

- भारत में मताधिकार और निर्वाचित होने का अधिकार है— विधिक अधिकार (एक अधिनियम के अन्तर्गत)
- दिनेश गोस्वामी समिति का सम्बन्ध था— निर्वाचन सुधारों से
- निर्वाचन आयोग को 'तीन सदस्यीय आयोग' बनाया गया— 1989 से
- दल परिवर्तन विरोधी विधि 1979 में ही अधिनियमित कर दिया गया था— जम्मू एवं कश्मीर राज्य में
- वर्ष 1985 राजनीतिक दलों को संवैधानिक मान्यता प्रथम बार मिली।
- दल-बदल निरोधक अधिनियम 15 फरवरी, 1985 को पारित हुआ।
- भारतीय संविधान में संशोधन किया जा सकता है— अनुच्छेद 368 के प्रावधानों के अन्तर्गत
- सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार संसद की संविधान संशोधन शक्ति को सीमित किया— गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य विवाद में
- पहली बार संविधान में दल-बदल विरोधी प्रावधान किया गया— 52वां संशोधन द्वारा
- अनुच्छेद 19(1)(c) में 'सहकारी समितियाँ' शब्द जोड़ा गया— 97वां संशोधन अधिनियम, 2011 द्वारा
- अन्य पिछड़ा वर्ग को शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु 27 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है— 93वें संशोधन के अन्तर्गत
- 86वें संशोधन द्वारा प्रस्तावित 'शिक्षा का अधिकार' लागू किया गया— वर्ष 2010 से
- संविधान का 93वां संशोधन (विधेयक) संबंधित है— 6 और 14 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों की निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा से
- भारतीय संविधान में 9वीं अनुसूची परिवर्धित हुई— प्रथम संशोधन द्वारा
- संविधान का प्रथम संशोधन जो वर्ष 1951 में पारित हुआ, संबंधित था— कुछ राज्यों में किये गये कृषि व कृषि-भूमि संबंधी सुधारों के संरक्षण से।
- 2012 में भारत के संविधान में होने वाले 97वें संशोधन का सरोकार से है— सहकारी संस्थाओं के गठन का कार्य संचालन
- 'शिक्षा का अधिकार' प्रदान करने वाला एक नया अनुच्छेद—21ए संविधान में जोड़ा गया है— 86वां संशोधन द्वारा
- मिजोरम को राज्य का दर्जा दिया गया— 53वां संवैधानिक संशोधन द्वारा
- सिक्किम एक नया राज्य बना— 36वें संशोधन द्वारा
- केन्द्र और किसी राज्य में मंत्रिपरिषद का आकार, क्रमशः लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या एवं उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा— 91वां संविधान संशोधन
- संवैधानिक संशोधन मौलिक कर्तव्यों से सम्बन्धित है— 42वां
 - भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344 के तहत प्रथम 'राजकीय भाषा आयोग' का गठन हुआ था— 1955 में बी०जी० खेर की अध्यक्षता में

Mynotesadda.com

- भारतीय संविधान में 'राज्य के नीति निदेशक तत्वों' की संकल्पना किस देश के संविधान पर आधारित है— **आयरलैण्ड**
- भारत के राष्ट्रपति को उसके पद से हटाया जा सकता है— **संसद द्वारा**
- लाभ के पद का निर्णय कौन करेगा— **संघीय संसद**
- राज्यपाल किसके प्रति उत्तरदायी होता है— **राष्ट्रपति**
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत भारत सरकार का दायित्व है कि वह बाह्य आक्रमण एवं आन्तरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करे— **अनुच्छेद 355**

- भारतीय संविधान निम्न में से कौन-सी नागरिकता प्रदान करता है— **एकल नागरिकता**

भारत के संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच किया गया शक्तियों का विभाजन आधारित है— **भारत सरकार अधिनियम-1935** के द्वारा

भारतवासियों को अपने देश के प्रशासन में कुछ हिस्सा लेना सम्भव बनाया— **चार्टर एक्ट-1833** के अधिनियम ने

राष्ट्रपति की अध्यादेश निर्गत करने की शक्ति प्रेरित है— **भारत सरकार अधिनियम-1935** से

भारतीय विधानपालिका प्रथम बार द्वि-सदनीय बनाई गई — **1919** के **भारत सरकार अधिनियम** द्वारा

बर्मा, गवर्नमेन्ट ऑफ इण्डिया एक्ट-1935 के फलस्वरूप भारत से अलग हुआ।

भारतीय विधान परिषद को बजट पर बहस करने की शक्ति **भारतीय परिषद अधिनियम-1892** के अन्तर्गत प्राप्त हुई।

1935 के अधिनियम द्वारा स्थापित संघ में अवशेष शक्तियाँ दी गई— **गवर्नर जनरल को।**

अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान **भारत सरकार अधिनियम-1935** में शामिल किया गया।

एक संघीय व्यवस्था और केन्द्र में द्वैध शासन भारत में लागू किया गया था— **1935 के अधिनियम द्वारा**

1919 के भारत सरकार अधिनियम की प्रमुख विशेषता है— **प्रान्तों की कार्यकारिणी सरकार में द्वैध-शासन व्यवस्था, केन्द्र द्वारा प्रान्तों को विधायिनी शक्ति का हस्तान्तरण।**

भारत का संघीय न्यायालय स्थापित किया गया था— **1937 में**

भारत में संघीय न्यायालय की स्थापना की गई थी— **भारत सरकार अधिनियम-1935 के द्वारा**

कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना का प्रावधान **रेगुलेटिंग एक्ट-1773** में किया गया था।

भारतीय संविधान का प्रथम प्रारूप **डी०एन० राव** द्वारा तैयार किया गया था।

Mynotesadda.com

- अनुच्छेद 48(क) — पर्यावरण संरक्षण।
- अनुच्छेद 51क — भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा, प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार।
- अनुच्छेद 53 — संघ की कार्यपालिका शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित हैं।
- भारत का कार्यपालिका अध्यक्ष राष्ट्रपति है।
- जब राष्ट्रपति मृत्यु, त्यागपत्र, पदच्युत या अन्य कारणों से अपने कर्तव्यों को नहीं निभा सकता है, तो उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है — 06 माह तक
- अनुच्छेद 61 के द्वारा राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है।
- भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र सौंपता है— भारत के उपराष्ट्रपति को
- राष्ट्रपति के पद के लिए पुनः निर्वाचन की योग्यताएँ निर्धारित करता है— अनुच्छेद 57
- 44वें संशोधन द्वारा राष्ट्रपति को कोई भी मामला मंत्रिपरिषद द्वारा पुनर्विचार किये जाने के लिए वापस भेजने का अधिकार दिया गया है।
- अनुच्छेद 108 के अन्तर्गत लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक राष्ट्रपति द्वारा आहूत की जाती है।
- अनुच्छेद 111 — राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किसी बिल पर अपनी स्वीकृति रोक सकते हैं।
- अनुच्छेद 123 — भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदत्त है।
- किसी भौगोलिक क्षेत्र को अनुसूचित घोषित करने का संवैधानिक अधिकार है— राष्ट्रपति को
- डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन की संज्ञा दी जाती है।
- भारतीय राष्ट्रपति के सर्वसम्मति से चुने जाने का अभी तक एकमात्र उदाहरण है— नीलम संजीव रेड्डी
- उपराष्ट्रपति राज्य सभा का सभापति होता है।
- भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचकगण द्वारा किया जाता है, जिसके सदस्य होते हैं— संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य।
- भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव होता है— लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों द्वारा सीधे चुनाव से।
- अनुच्छेद 78 — प्रधानमंत्री के दायित्व से सम्बन्धित प्रावधान।
- अनुच्छेद 75 — भारतीय संविधान का प्रावधान मंत्रिपरिषद की नियुक्ति तथा पदच्युति की विवेचना करता है।
- "कौंसिल ऑफ साइंटिफिक एवं इंडस्ट्रियल रिसर्च" का अध्यक्ष भारत का प्रधानमंत्री होता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा समिति का प्रधान प्रधानमंत्री होता है।
- भारत का प्रधानमंत्री बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए।
- प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किया जाता है।

Mynotesadda.com

- भारतीय संविधान में नागरिकों को मौलिक अधिकार अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35 के अन्तर्गत प्रदान किया गया है।
- भारतीय संविधान में मूल अधिकारों को शामिल करने के लिए नेहरू रिपोर्ट (1928) ने समर्थन किया था।
- **अनुच्छेद 25** – धर्म की स्वतंत्रता से सम्बन्धित है।
- मद्रास राज्य बनाम दोरायराजन' 1951 के मुकदमें में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिणामस्वरूप जिस मौलिक अधिकार को संशोधित किया गया, वह है— **भेदभाव के विरुद्ध अधिकार**
- अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया— **अनुच्छेद 17** द्वारा
- आई0सी0सी0पी0आर0 के अनुच्छेद 24 द्वारा बाल अधिकार को सुरक्षित किया गया है।
- **अनुच्छेद 24** – मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत बच्चों के शोषण से सम्बन्धित है।
- भारतीय संविधान में संशोधन करके शिक्षा का अधिकार जोड़ा गया— **01 अप्रैल, 2010 को**
- 06 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बीच के सभी बच्चों को शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार है।
- लोक नियोजन के विषय में भारत के सभी नागरिकों को अवसर की समानता की प्रत्याभूति प्रदान करता है— **अनुच्छेद 16(1) और 16(2)**
- भारतीय संविधान में समानता का अधिकार **अनुच्छेद 14 से 18** द्वारा स्वीकृत है।
- सम्पत्ति के मूल अधिकार का लोप किया गया— **संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978** द्वारा
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना सिद्धान्त का प्रतिपादन किया— **केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य मुकदमें में**
- संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन का अधिकार दिया— **केशवानन्द भारती वाद ने**
- नागरिकों के मौलिक अधिकारों का रक्षक तथा भारत के संविधान का अभिभावक माना जाता है— **उच्चतम न्यायालय को**
- डॉ0 भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान की आत्मा कहा गया है— **संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)**
- बंधुआ मजदूर (उन्मूलन) अधिनियम संसद में पारित किया गया था— **1976 में**
- किसी अपराध के अभियुक्त को स्वयं अपने विरुद्ध गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है, यह प्रावधान **अनुच्छेद 20(3)** में है।
- **अनुच्छेद 40** – राज्य सरकार को ग्राम पंचायतों को संगठित करने के लिए निर्देशित करता है।
- **अनुच्छेद 51** – भारत की विदेश नीति से सम्बन्धित है।
- **अनुच्छेद 41** – काम, शिक्षा, लोक सहायता पाने का अधिकार।
- **अनुच्छेद 43(क)** – उद्योगों के मध्य में कार्यकरों के भरण देने का अधिकार।

Mynotesadda.com

- बी०एन० राव भारतीय संविधान के निर्माण के समय सांविधानिक सलाहकार थे।
- 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने डॉ० बी०आर० अम्बेडकर की अध्यक्षता में प्रारूप समिति का गठन किया।
- डॉ० बी०आर० अम्बेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा की प्रारूप समिति में अन्य सदस्यों की संख्या 06 थी।
- संविधान सभा द्वारा स्थापित मौलिक अधिकारों और अल्पसंख्यकों हेतु सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे— सरदार पटेल
- भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ० बी०आर० अम्बेडकर थे।
- संविधान सभा की प्रान्तीय संविधान समिति के अध्यक्ष सरदार पटेल थे।
- भारत के संविधान के निर्माण में संविधान सभा को 02 वर्ष 18 माह 18 दिन का समय लगा।
- भारतीय संविधान सभा को बनाने हेतु भारतीय संविधान सभा के कुल 12 अधिवेशन हुए थे।
- संविधान सभा में 'उद्देश्य प्रस्ताव' या प्रस्तावना प्रस्तुत किया गया था— प० जवाहर लाल नेहरू द्वारा
- भारत को एक संविधान देने का प्रस्ताव संविधान सभा द्वारा पारित किया गया था— 22 जनवरी, 1947 को
- भारत की संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन शुरू हुआ— 09 दिसम्बर, 1946 को
- भारतीय संविधान सभा की स्थापना की गई— 09 दिसम्बर, 1946 को
- भारत की संविधान निर्मात्री सभा या संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद थे।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी।
- संविधान सभा में सदस्यों का चुनाव हुआ था— प्रान्तीय सभाओं द्वारा
- भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने वाली संविधान सभा के सदस्यों को विभिन्न प्रान्तों की विधान सभाओं द्वारा चुना गया।
- भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम स्वराज पार्टी द्वारा 1934 में प्रस्तुत किया गया था।
- 1946 में निर्मित अन्तरिम सरकार में कार्यपालिका परिषद के उप-सभापति थे— जवाहर लाल नेहरू
- भारतीय संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना—1946 के अन्तर्गत किया गया था। कैबिनेट मिशन के सदस्य थे— पेथिक लारेंस, स्टैफर्ड क्रिप्स और ए०वी० अलेक्जेंडर।
- वर्ष 1937 के चुनावों में कांग्रेस का मंत्रिमण्डल बना था— कुल 08 प्रान्तों में
- एक निर्वाचित संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान का निर्माण करने का प्रस्ताव किया गया था— क्रिप्स मिशन द्वारा
- भारतीय संविधान सभा में कुल महिला सदस्यों की संख्या 15 थी।

Mynotesadda.com

- भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति का अध्यक्ष कौन था— डॉ० भीमराव अम्बेडकर
- डॉ० बी०आर० अम्बेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा की प्रारूप समिति में कितने सदस्य थे— 6
- मंत्रिपरिषद के विरुद्ध 'अविश्वास प्रस्ताव' लाने के लिए लोक सभा के सदस्यों की संख्या होनी चाहिए— 50
- भारत के किस प्रधानमंत्री की मृत्यु देश के बाहर हुई— लाल बहादुर शास्त्री
- लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे— जी०वी० मावलंकर
- प्रथम अभिनेत्री जो राज्य सभा के लिए नामांकित की गई— नरगिस दत्त
- राज्य सभा का पदेन सभापति होता है— उप-राष्ट्रपति
- योजना आयोग की स्थापना कब हुई थी— 15 मार्च, 1950
- संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा— अनुच्छेद 350क
- भारत में पहली बार लोक सेवा आयोग की स्थापना जिस अधिनियम से हुई, वह कौन-सा था— गवर्नमेन्ट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1919
- संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत लोक सेवा आयोग के सदस्य को हटाया जा सकता है— अनुच्छेद 317
- योजना आयोग का अध्यक्ष होता है— प्रधानमंत्री
- भारत में वित्तीय आपातकाल की घोषणा आज तक कितनी बार की गई है— कभी नहीं
- सरकारिया आयोग गठित हुआ था समीक्षा करने के लिए— संघ और राज्यों के मध्य संबंधों की
- संविधान के किस प्रावधान में कहा गया है कि विधि के प्राधिकार के बिना न तो कोई कर लगाया जा सकता है और न ही एकत्रित किया जा सकता है— अनुच्छेद 265
- क्षेत्रीय परिषदों का सृजन हुआ है— संसदीय कानून द्वारा
- केन्द्र-राज्य संबंध किस अनुसूची में है— 7वीं
- निम्न में से कौन-सा राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य क्षेत्राधिकार नहीं है— परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार
- राज्य विधान सभा के निर्वाचन का संचालन करता है— भारत का निर्वाचन आयोग
- जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है— भारत का राष्ट्रपति
- भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन कब किया गया था— 1956 में
- संविधान के अन्तर्गत मूल अधिकारों का संरक्षक कौन है— सर्वोच्च न्यायालय

Mynotesadda.com

अनुच्छेद 215	उच्च न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
अनुच्छेद 222	किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में अंतरण
अनुच्छेद 226	विशेष रिट जारी करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
अनुच्छेद 227	सभी न्यायालयों के अधीक्षण की उच्च न्यायालय की शक्ति
अनुच्छेद 76	भारत का महान्यायवादी
अनुच्छेद 131	सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार
अनुच्छेद 41	कार्य करने का अधिकार
अनुच्छेद 42	कार्य करने के लिए सही एवं मानवीय स्थितियाँ
अनुच्छेद 45	बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा तथा अनिवार्य शिक्षा

- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित है-

सूची-1	सूची-2
संविधान का भाग IX	पंचायत
संविधान का भाग VIII	संघ राज्य क्षेत्र
संविधान का भाग IV A	मूल कर्तव्य
संविधान का भाग IX A	नगर पालिका
संविधान का भाग XV	निर्वाचन
संविधान का भाग XVI	कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध
संविधान का भाग XVII	राजभाषा
संविधान का भाग XVIII	आपात उपबंध

- भारतीय संविधान में संसदात्मक शासन प्रणाली की व्यवस्था की गयी है।
- राष्ट्रपति पद्धति में समस्त कार्यपालिका की शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होती हैं।
- 'संविधान की संघात्मकता के तंग ढांचे में नहीं ढाला गया है', कथन है- डॉ० भीमराव अम्बेडकर का
- "भारतीय संविधान अधिक कठोर तथा अधिक लचीले के मध्य एक अच्छा संतुलन स्थापित करता है।" कथन है- के०सी० व्हीयर का
- "भारत अर्ध संघात्मक राज्य है।" कथन है- के०सी० व्हीयर का
- भारतीय संघवाद को सहकारी संघवाद कहा है- जी० आस्टिन ने
- भारत के संविधान के अन्तर्गत राज्यों की सीमाओं को परिवर्तित करने की शक्ति संसद को प्राप्त है।
- नए राज्य के गठन की शक्ति संसद में निहित है।
- भारतीय संसद को नया राज्य बनाने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 3 के अन्तर्गत है।
- आन्ध्र प्रदेश एक भाषायी राज्य के रूप में 1953 में गठित किया गया, जो भाषायी आधार पर सर्वप्रथम था।

Mynotesadda.com

- भारतीय संविधान के भाग 11 और अध्याय 1 में संघ और राज्यों के बीच विधायी संबंध के बारे में उल्लेख है।
- भारतीय संविधान की पहली अनुसूची राज्य के नामों की सूची तथा उनके राज्य क्षेत्रों का ब्यौरा देती है।
- भारत के संविधान की चौथी अनुसूची राज्य सभा में स्थानों के आवंटन को विवेचित करती है।
- भारतीय संविधान में अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान अनुच्छेद 312 में
- वित्त विधेयकों के बारे में अनुच्छेद 117 में विशेष उपबंध किया गया है।
- संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची पंचायती राज से सम्बन्धित है।

- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित है—

सूची-1	सूची-2
अनुच्छेद 324	भारत का निर्वाचन आयोग
अनुच्छेद 39ए	समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता
अनुच्छेद 40	ग्राम पंचायतों का गठन
अनुच्छेद 44	समान नागरिक संहिता
अनुच्छेद 124	संघीय न्यायपालिका
अनुच्छेद 5	नागरिकता
अनुच्छेद 352	आकस्मिक प्रावधान
अनुच्छेद 245	विधायी शक्तियों का वितरण
अनुच्छेद 368	संशोधन प्रक्रिया
अनुच्छेद 74	मंत्रिपरिषद
अनुच्छेद 36	नीति निदेशक तत्व
अनुच्छेद 14	समानता का अधिकार
अनुच्छेद 2	विधानतः नए राज्य को शामिल करना
अनुच्छेद 14	समता का अधिकार
अनुच्छेद 54	भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 75	प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद की नियुक्ति
अनुच्छेद 155	राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति
अनुच्छेद 164	राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद की नियुक्ति
अनुच्छेद 323ए	प्रशासनिक अधिकरण
अनुच्छेद 324	निर्वाचन
अनुच्छेद 330	लोक सभा के लिए अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति सदस्यों के आरक्षण
अनुच्छेद 320	लोक सेवा आयोगों के कार्य
अनुच्छेद 280	वित्त आयोग
अनुच्छेद 360	वित्तीय आपात

Mynotesadda.com

- किसी जाति तथा जनजाति को अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति घोषित करने हेतु, शक्ति सम्पन्न संवैधानिक प्राधिकारी है— **भारत का राष्ट्रपति**
- लोक सभा में एंग्लो-इण्डियन समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए प्रावधान किया गया है— **अनुच्छेद 331 के अन्तर्गत**
- भारत संविधान का भाग-16 (अनुच्छेद 330 से 342 तक) संबंधित है— **लोक सभा में अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण तथा आंग्ल भारतीय समुदाय के प्रतिनिधित्व से**
- भारत के संविधान में लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए व्यवस्था की गई है— **अनुच्छेद 330 में**
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजातियाँ हैं— **मध्य प्रदेश में**
- अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने का प्रावधान संविधान किया गया है— **338 और 338ए के अन्तर्गत**
- संयुक्त राष्ट्र महासंघ दिवस मनाया जाता है— **24 अक्टूबर**
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या है— **5**
- संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापित हुआ था— **1945 में**
- अध्यक्षात्मक शासन का उदय सर्वप्रथम हुआ— **संयुक्त राज्य अमेरिका में**
- अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जाता है— **02 अक्टूबर को**
- 10 दिसम्बर मनाया जाता है— **मानवाधिकार दिवस के रूप में**
- अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय है— **हेग**
- 'यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स' में कुल अनुच्छेद हैं— **30**
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में भाषण देने वाले पहले व्यक्ति रहे— **अटल बिहारी वाजपेयी**
- 'डॉन' समाचार पत्र है— **पाकिस्तान का**
- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित हैं—

सूची-1	सूची-2
ऑपरेशन चेकमेट	श्रीलंका
ऑपरेशन सिद्धार्थ	बिहार
ऑपरेशन ब्लू स्टार	पंजाब
ऑपरेशन कैक्टस	मालदीव

- सूची-1 तथा सूची-2 सही सुमेलित हैं—

सूची-1	सूची-2
एपिको आन्दोलन	पी0 हेगड़े
चिपको आन्दोलन	एस0एल0 बहुगुणा
नर्मदा बचाओ आन्दोलन	मेघा पाटकर
शांत घाटी आन्दोलन	डॉ0 सलीम अली

Mynotesadda.com

- प्रो-टेम स्पीकर का कर्तव्य सदस्यों को शपथ दिलाना होता है।
- लोकसभा का पहला आम चुनाव 1952 ई0 में हुआ था।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 है।
- अनुच्छेद 333 के द्वारा राज्य विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया है।
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार, लोकसभा की सीटों का राज्यों के मध्य आवंटन 1971 की जनगणना के आधार पर है।
- 31वें संशोधन ने लोकसभा के सदस्यों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 कर दी।
- 84वें संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा की कुल सदस्य सीटों की संख्या, 1971 की जनगणना के आधार पर कर दी गई है। ये तब तक बदली नहीं जाएगी, जब तक एक वर्ष विशेष के बाद पहली जनगणना नहीं होगी। यह वर्ष विशेष 2026 है।
- लोकसभा के लिए चुनाव में निर्वाचित होने के लिए किसी व्यक्ति के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष है।
- राज्यसभा में कुल 250 सदस्य होते हैं, जिनमें से 12 सदस्यों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है।
- राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।
- राज्यसभा के सदस्य राज्यों की विधानसभाओं से निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं।
- संसद को राज्य सूची के विषय के सम्बन्ध में विधि बनाने की शक्ति प्रदान करता है—
अनुच्छेद 249
- प्रथम अभिनेत्री जो राज्यसभा के लिए नामांकित की गई— नरगिस दत्त।
- अनुच्छेद 368 के अन्तर्गत संसद संविधान के किसी भी भाग में संशोधन कर सकती है।
- संसद में शून्यकाल का समय दोपहर 12 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक है।
- लोकसभा में 'शून्यकाल' की अवधि अधिक से अधिक एक घण्टा हो सकती है।
- 'शून्यकाल' भारत की संसदीय व्यवस्था की देन है।
- संसद के सदस्यों के विशेषाधिकारों तथा उन्मुक्तियों को निर्वाचित करता है—
अनुच्छेद 105
- राजनीतिक शब्दावली में शून्यकाल का अर्थ 'प्रश्न-उत्तर सत्र' है।
- अनुच्छेद 253 के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों को प्रभावी बनाने हेतु संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है।
- राज्यसभा को 'धन विधेयक' प्राप्त होने के बाद इसे लोकसभा को वापस किया जाना चाहिए— 14 दिनों के अन्दर
- अनुच्छेद 110 के अन्तर्गत संविधान के धन विधेयक को परिभाषित किया गया है।
- सावर्जनिक व्यय पर संसदीय नियंत्रण का अंग नहीं है— भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- प्राक्कलन समिति के सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।

Mynotesadda.com

- उच्चतम न्यायालय की यह धारणा की "मूल अधिकार व्यक्ति को जैसा उसे अच्छा लगे उस तरह अपनी जिंदगी की रूपरेखा तैयार करने के लिए सक्षम बनाते हैं।"— **गोलकनाथ बनाम स्टेट ऑफ पंजाब वाद**
- भारत में 'संविधान की मूल संरचना (बुनियादी ढाँचा) के सिद्धान्त' का स्रोत है— **न्यायिक व्याख्या**
- अनुच्छेद 32 के तहत भारतीय संविधान सर्वोच्च न्यायालय भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा करता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेदों में से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान का 'अनुलंघनीय मौलिक ढाँचा' घोषित किये गये हैं— **अनुच्छेद 32, अनुच्छेद 226, अनुच्छेद 227**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के द्वारा यह विहित है कि भारत के उच्चतम न्यायालय की सम्पूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी।
- लोकहित वाद (मुकदमें) की संकल्पना का उद्गम देश है— **यू0एस0ए0**
- जनहित याचिका (पी0आई0एल0) प्रस्तुत की जा सकती है— **उच्च न्यायालयों एवं सर्वोच्च न्यायालय दोनों में**
- पी0आई0एल0 का पूरा नाम "पब्लिक इन्टरेस्ट लिटिगेशन" है।
- जनहित याचिका की शुरुआत की गई— **न्यायिक पहल द्वारा।**
- टी0डी0एस0ए0टी0 के निर्णयों को चुनौती दी जा सकती है— **केवल सुप्रीम कोर्ट में**
- उच्चतम न्यायालय मामलों की सुनवाई नई दिल्ली करता है, परन्तु किसी अन्य स्थान पर भी सुनवाई कर सकता है— **राष्ट्रपति के अनुमोदन पर।**
- जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है।
- **राज्यपाल** — राज्य सरकार का कार्यकारी अध्यक्ष/संवैधानिक प्रमुख है।
- राज्यपाल, राष्ट्रपति के विचार के लिए किसी विधेयक को आरक्षित कर सकता है— **अनुच्छेद 200 के अधीन**
- राज्यपाल की नियुक्ति करता है— **भारत का राष्ट्रपति।**
- किसी राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत होती है।
- राज्यपाल के वेतन और भत्ते दिये जाते हैं— **कंसोलिडेटेड फण्ड ऑफ स्टेट से**
- राज्यपाल उत्तरदायी होता है— **राष्ट्रपति के प्रति**
- भारत के राष्ट्रपति की इच्छा तक ही पद पर बने रह सकता है— **राज्यपाल**
- भारत के संविधान में अभियोग चलाने का प्रस्ताव नहीं है— **राज्यपाल के विरुद्ध।**
- स्वतंत्र भारत के किसी राज्य की सर्वप्रथम महिला राज्यपाल बनीं— **सरोजिनी नायडू (उ0प्र0)**
- प्रतिवर्ष 13 फरवरी को महिला दिवस मनाया जाता है— **सरोजिनी नायडू की स्मृति में**
- विधानसभा की सर्वाधिक संख्या है— **उत्तर प्रदेश में**
- राज्य विधानसभा के निर्वाचन का संचालन करता है— **भारत का निर्वाचन आयोग।**

Mynotesadda.com

- भारत का संविधान किस तिथि को अपनाया गया— 26 नवम्बर, 1949
- भारत के नागरिकों के मूल कर्तव्यों का विवरण संविधान के किस भाग में दिया गया है— भाग-4क में
- राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के किस सदन द्वारा लगाया जा सकता है— संसद के किसी भी सदन द्वारा
- निम्न में से भारत का राष्ट्रपति किसकी नियुक्ति नहीं करता है— उप-राष्ट्रपति
- भारत की संघात्मक व्यवस्था निम्नलिखित में से किस देश से सम्बन्धित है— कनाडा
- भारतीय संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ हैं— 12
- आर्थिक नियोजन भारतीय संविधान की किस अनुसूची में सम्मिलित है— समवर्ती सूची
- 'पंचायती राज' विषय निम्नलिखित में से किस सूची में सम्मिलित है— राज्य सूची
- राष्ट्रपति पद्धति की समस्त कार्यपालिका शक्तियाँ निहित होती हैं— राष्ट्रपति में
- भारत में राजनैतिक सत्ता का प्रमुख स्रोत कौन है— जनता
- कौन मूल अधिकार के अन्तर्गत नहीं आता— सम्पत्ति का अधिकार
- केन्द्र एवं राज्यों के बीच करों की शुद्ध आय के वितरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था मूल सिद्धान्त को निरूपित करेगी— वित्त आयोग
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 371ख में निम्न राज्य/राज्यों में से किसके लिए विशेष उपबंध प्रावधानित हैं— महाराष्ट्र और गुजरात
- दिनेश गोस्वामी समिति ने सिफारिश की थी— लोक सभा के चुनाव के सरकारी निधीयन की
- निर्वाचन आयोग को 'तीन सदस्यीय आयोग' किस वर्ष से बनाया गया— 1989
- बी0आर0 अम्बेडकर का संविधान सभा में निर्वाचन हुआ था— बम्बई प्रेसीडेन्सी से
- 'भारतीय राष्ट्रीय ध्वज' में चक्र किसका प्रतीक है— न्याय का
- संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत है— राज्यों का यूनियन
- आन्ध्र प्रदेश एक भाषायी राज्य के रूप में गठित किया गया— 1953 में
- संविधान के निम्न अनुच्छेदों में से किस एक के द्वारा अस्पृश्यता का अन्त किया गया— 17वां अनुच्छेद
- भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद प्रेस की स्वतंत्रता से सम्बन्धित है— अनुच्छेद 19
- किसी अपराध के अभियुक्ति को स्वयं अपने विरुद्ध गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है, भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में यह प्रावधान है— अनुच्छेद 20(3) में
- केन्द्र ने 'द्वैध शासन' किस अधिनियम के अन्तर्गत स्थापित किया— भारत सरकार अधिनियम, 1935
- स्वतंत्र भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे— डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

Mynotesadda.com

- प्राक्कलन समिति संसद की एक सबसे बड़ी संसदीय समिति है।
- राष्ट्रीय विकास परिषद में केन्द्रीय वित्त मंत्री और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री होते हैं।
- 15 जून, 2005 को संसद के सूचना अधिकार अधिनियम को भारत के राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई।
- धारा-17 के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति नियम, 1955 की 'जिला स्तरीय सतर्कता और मॉनीटरिंग समिति' के गठन का उपबंध किया गया है।
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन किए गए अपराध का अन्वेषण ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा किया जाएगा जो उप-अधीक्षक रैंक से कम न हो।
- धारा-18 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम, 1989 की अग्रिम जमानत प्रतिबन्धित है।
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन पूर्णतः निषिद्ध है- गिरफ्तारी पूर्व जमानत
- धारा-6 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम, 1989 की भारतीय दण्ड संहिता के कतिपय उपबंधों का लागू होना उपबंधित है।
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत सामूहिक जुर्माना अधिरोपित और वसूल करने की शक्ति राज्य सरकार को है।
- क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट सर्वप्रथम 1871 ई0 में अधिनियमित हुआ था।
- 26 अक्टूबर, 2006 ई0 को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम लागू हुआ।
- उच्चतम न्यायालय ने 'संविधान के मूल ढाँचे' का सिद्धान्त प्रतिपादित किया था- केशवानन्द भारती वाद में
- उच्चतम न्यायालय द्वारा आज तक की दूसरी सबसे बड़ी खंडपीठ इस केस में बनी- गोलकनाथ केस में
- भारतीय संविधान में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान है- सर्वोच्च न्यायालय में
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करता है- राष्ट्रपति
- भारत में उच्चतम न्यायालय का उद्घाटन हुआ था- 28 जनवरी, 1950 को
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना भारतीय संविधान द्वारा हुई थी।
- सर्वोच्च न्यायालय में सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।
- न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहियों की जाँच करना प्रतिबन्धित किया गया है- अनुच्छेद 122 के अन्तर्गत
- न्यायिक पुनरावलोकन प्रचलित है- भारत और यू0एस0ए0 दोनों में
- उच्चतम न्यायालय को उसके द्वारा दिए गए निष्पक्ष अथवा आदेश के पुनर्विलोकन हेतु अधिकृत करता है- अनुच्छेद 137

Mynotesadda.com

- **अनुच्छेद 350**—क में यह व्यवस्था दी गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा।
- विश्व में सर्वाधिक बोलने वाले व्यक्ति हैं— **मंदारिन के**
- हिन्दी भाषी भारतीयों का प्रतिशत लगभग 40 प्रतिशत है।
- संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भारतीय भाषाओं को बोलने वाले सर्वाधिक व्यक्ति हैं— **हिन्दी, इसके बाद बंगाली**
- संविधान में राज्य की राजभाषा या भाषाएँ अपनाने की प्रक्रिया है— **अनुच्छेद 345 में**
- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्य राजकीय भाषाओं की संख्या है— **22**
- 71वें संशोधन से संविधान की आठवीं अनुसूची में तीन भाषाएँ जोड़ी गई थी— **नेपाली, कोंकणी, मणिपुरी**
- मनरेगा कार्यक्रम को लागू करने हेतु लाया गया है— **अनुच्छेद 43**
- पंचायती राज को भारतीय संविधान के 73वें संशोधन में संगठित किया गया।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 40 राज्य को सार्थक कदमों हेतु परामर्श देता है— **ग्राम पंचायतों के संगठन के संबंध में**
- राज्य की सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है— **अनुच्छेद 40**
- भारत में महिलाओं के लिए ग्राम पंचायतों में 30 प्रतिशत स्थान आरक्षित किया गया है— **73वें संशोधन के अन्तर्गत**
- 'पंचायती राज व्यवस्था' को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है— **73वां संविधान संशोधन**
- पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संबंध में भारतीय संविधान में प्रावधान किया गया— **1993 में**
- प्रथम पंचायती राज व्यवस्था का उद्घाटन पं० जवाहर लाल नेहरू द्वारा 02 अक्टूबर, 1959 को नागौर (राजस्थान) में किया गया था।
- भारत में पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम राजस्थान और आन्ध्र प्रदेश में प्रारम्भ की गई।
- भारत के 'पंचायती राज व्यवस्था का वास्तुकार (शिल्पी)' कहा जाता है— **बी०आर० मेहता**
- संविधान के 73वें संशोधन द्वारा पंचायतों को निर्दिष्ट किये जाने वाले कार्य वर्णित हैं— **ग्यारहवीं सूची में**
- पंचायती राज व्यवस्था में शासन प्रणाली की संरचना है— **ग्राम, खण्ड और जिला स्तर पर स्थानीय स्वशासन की त्रिस्तरीय संरचना।**
- 73वाँ संविधान संशोधन 24 अप्रैल, 1993 से देश में प्रभावी हुआ है, यह राजस्थान में प्रोत्साहित करेगा— **स्वशासन व्यवस्था**
- संविधान के अन्तर्गत पंचायतों में महिलाओं के एक—तिहाई प्रतिनिधित्व की गारण्टी देता है— **अनुच्छेद 243च**